Summative Assessment for Intermediate
Teacher Smita Daftardar

Unit Theme - Summative task (End of Curriculum) on Knowledge of Bhaarat and its Science

ACTIVITY 1
Time- 1 hr 30 mins
Level-Intermediate
Group Type- Whole class
Objectives- Students (in groups) will read assigned parts of a Biographical article about a famous Indian environmental activist and come up with a set of questions based on the article.
Students will ask and answer these questions, share what they have read with the rest of the class. They will then come up with a title for the whole article (jigsaw activity)
Type of Communication
Interpretive 1.2, Interpersonal 1.1, Presentational 1.3
Preparation
Aricle : Given as text

Instructions for teachers : 1)divide class into three groups. Each group will read part of the article.
2) Within each group, two students will work together to write 3 questions based on what they have read. They will then ask these questions to each other in their group.
3)Each group will share with the class what they have read.
4)Based on all the information from all groups, each group will come up with their own title for the complete article. The best title will get a prize(prize to be decided)

Instructions for Students:
Interpretive Task:

दिया गया लेख पढ़िए

दो विद्यार्थी साथ मिल कर लेख पर आधारित ३ सवाल बनाएँ और लिखें।

Interpersonal Task :

अपने दल में ये सवाल एक दूसरे से पूछें।

> Presentational :

> आपने जो पढ़ा उसके बारे में बाकी दो दलों को बताएँ ।

> Interpersonal and presentational:

> अंत में, अपने दल के साथ मिलकर इस पूरे लेख के लिए उचित शीर्षक लिखें।

>

>

> अण्णा हज़ारे

> Group 1

> अन्ना हज़ारे का विचार है कि भारत की असली ताकत गाँवों में है और इसीलिए उन्होंने गाँवों में विकास की लहर लाने के लिए मोर्चा खोला। अन्ना हज़ारे ने सेना से रिटायरमेंट के तुरंत बाद 1975 से सूखा प्रभावित रालेगाँव सिद्धि में काम शुरू किया। इस गांव में बिजली और पानी की जबरदस्त कमी थी। इस गांव में गरीबी अपने चरम पर थी। गांव में शराब आदि का अवैध व्यापार होता था। इस गांव में मौजूद इकलौता डैम भी टूट चुका था। लोगों का जीवन कठिन था। जहाँ औसतन सालाना वर्षा 400 से 500 मि. मी. ही होती थी, गाँव में जल संचय के लिए कोई तालाब नहीं थे। उनका गाँव पानी के टैंकरों और पड़ोसी गाँवों से मिले खाद्यान्न पर निर्भर रहता था। अन्ना ने लोगों को समझाया। उनका सहयोग लिया और छोटी-छोटी नहरों द्वारा पास की पहाड़ी से पानी लाकर सिचाई की अच्छी व्यवस्था की। अण्णा ने गांव वालों को गड्ढे खोदकर बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए प्रेरित किया और खुद भी इसमें योगदान दिया। हजारे ने गांव के लोगों से अपील की कि वे सामूहिक रूप से मिलकर डैम का पुन: निर्माण करें। लोगों ने मिलकर डैम को दोबारा बनाया और सात नए कुएं खोदकर गांव के लोगों ने पहली बार इसमें पानी भरा। इसके बाद से वर्तमान में गांव के लोगों के पास सालभर पानी पर्याप्त मात्रा में मौजूद रहता है। अब अच्छी फ़सलें उगने लगीं।

> Group 2

> अण्णा के कहने पर गांव में जगह-जगह पेड़ लगाए गए। इसके साथ ही आज गांव में अनाज बैंक, मिल्क बैंक और स्कूल है।

> गांव में सौर ऊर्जा और गोबर गैस के जरिए बिजली की सप्लाई की गई। अब गांव से गरीबी पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। लोगों के जीवन में खुशियां आने लगीं और रालेगन सिद्धी एक आदर्श गांव बन गया, जो देश के सामने एक मिसाल था। उन्होंने अपने बलबूते वर्षा जल संग्रह, सौर ऊर्जा, बायोगैस का प्रयोग और पवन ऊर्जा के उपयोग से गाँव को स्वावलंबी और समृद्ध बना दिया। यह गाँव विश्व के अन्य समुदायों के लिए आदर्श बन गया है। विश्व बैंक ने भी इस गांव के बारे में कहा है कि इस गांव में जबरदस्त परिवर्तन हुआ और कभी गरीब रहा यह गांव आज देश के सबसे अमीर गांव में से एक है।

> पहले इस गांव के लोगों की प्रति व्यक्ति आय 250 रुपए थी और वर्तमान में लोगों की प्रति व्यक्ति 2500 रुपए है। ये हजारे के ही प्रयास हैं कि गांव के गरीब आज नशेबाजी छोड़कर आत्मनिर्भर बन गए हैं। गांव में ग्रामीणों ने शराब पूरी तरह से छोड़ दी है और

> Group 3

> वहां शराब की बिक्री नहीं होती है। दुकानदार पिछले 13 वर्षो से सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू आदि नहीं बेच रहे हैं। पहले गांव में 300 लीटर दूध रोजाना बेचा जाता था, जो कि अब 4,000 लीटर बेचा जाता है।

>

> हजारे के नेतृत्व में यहां लोगों ने अनगिनत पेड़ लगाए, मिट्टी के कटाव को रोकने के प्रयास किए, बारिश का पानी रोकने के लिए नहरें बनवाईं। हजारे के प्रयासों ने इस गांव को पूरी दुनिया के सामने मिसाल बना दिया है। यहां के लोग

आज अधिक से अधिक सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा यहां बायोगैस और पवन चक्की का भी प्रयोग किया जाता है। गांव की असली ताकत यहां गैर-परंपरागत ऊर्जा का इस्तेमाल करना है। उदाहरण के लिए यहां की सड़कों पर लगी सभी लाइटें सौर ऊर्जा से जलती हैं और प्रत्येक लाइट के लिए एक अलग सोलर पैनल है।

> आज गाँव का हर शख़्स आत्मनिर्भर है। आस-पड़ोस के गाँवों के लिए भी यहाँ से चारा, दूध आदि जाता है। गाँव में एक तरह का रामराज है। गाँव में तो अण्णा हज़ारे ने रामराज स्थापित कर दिया है।

>

>

> ACTIVITY 2

> time : 30 mins

> Level-Intermediate

> Group Type- Whole class

> Objective: Prepare a poster describing the eco friendly model house built during the camp.

> Instructions to Teachers: students will work in their House project groups.

> Presentational Writing: Make a poster showing

> 1)the plan of the house

> 2)label and write briefly about all the equipments that use natural resources

> 3) label and write briefly about chosen Festival and related food,

> 4) label all plants, trees and write 1-2 sentences about their health benefits as per Ayurved. Name the type of soil.

> 5)label symbol of natural element shown.

>

>

> Instructions for students

> एक पोस्टर बनाइये जिसमें-

> १)घर के प्लान का चित्र बनाएं

> २)घर पर लगे सारे उपकरण लेबल करें और १-२ वाक्यों में वर्णन करें

> ३)कौन से त्यौहार की सजावट की गयी है लिखिये, त्यौहार के भोजन के नाम लिखें।

> ४)घर के बाहर लगे पेड़- पौधों के नाम लिखें और उनके आयुर्वेदिक फ़ायदे लिखें, मिट्टी के प्रकार लिखें।

> ५)घर पर पंच तत्वों में किस का चित्र (symbol) बनाया है बताएँ।

>

>

>